भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 379 का उत्तर

बाराबंकी में रेलवे क्रॉसिंग पर उपरिपुल निर्माण परियोजना

379. श्री तनुज पुनिया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बाराबंकी शहर में बंकी रेलवे क्रॉसिंग पर उपरिपुल निर्माण परियोजना को किस तिथि को स्वीकृति प्रदान की गई थी;

(ख) उक्त रेल परियोजना में विलंब के क्या कारण हैं; और

(ग) बाराबंकी से संबंधित अन्य लंबित रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उक्त लंबित परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): बाराबंकी के निकट लखनऊ-अयोध्या कैंट-वाराणसी खंड पर किमी. 1067.590 पर एक समपार संख्या 177बी (बांकी समपार) है। इस समपार पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी) के निर्माण के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (टीएफआर/डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। टीएफआर/डीपीआर को अंतिम रूप दिए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समपार के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल (आरयूबी) संबंधी कार्यों को मंजूरी देना भारतीय रेल में एक सतत प्रक्रिया है। इस तरह के कार्यों को रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं तथा व्यवहार्यता आदि पर इसके प्रभाव के आधार पर चरणों में किया जाता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बाराबंकी जिले में आरओबी/आरयूबी के निर्माण के कुल 05 अदद कार्य चल रहे हैं, जो नियोजन, निविदा और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

किसी भी आरओबी/आरयूबी कार्य का पूरा होना समपार को बंद करने की सहमति के लिए राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्गों के संरेखण को निर्धारित करना, सामान्य आरेखण व्यवस्था (जीएडी) का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, उल्लंघनकारी उपयोगिताओं को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष/कार्य स्थलों के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। इसलिए, आरओबी/आरयूबी के पूरा होने के लिए निश्चित समय-सीमा तय करना अत्यंत कठिन है।

*****